000398

1000Rs.

प्रकार का सरकारी या गैर सरकारी कर्ज या कर्ज-
भारतीय सेना से यानी कि उपरोक्त वर्णित भूमि
लेने वाली जाति का वर्ग कर ले लाइ-सुविधा
दी पात्र लाइ स्वयं के रोजगार सोलह
भूमि ३५

इस समय लेने वाली जाति को अपने-
गृहस्थी कार्य हेतु कार्यों के लिए आवश्यकता
है जो कि अपने पास से जुटाई कर पाने में असमर्थ
है इसलिए लेने वाली जाति ने हर पहलुओं को
सोच-समझ कर अपने परिवार से सभी सदस्यों
से राय-मशविरा कर अपना उपरोक्त वर्णित
भूमि बिक्री करने का निश्चय किया तो इस
बात का ऐलान किया जमीन बिक्री का जान कर
लेने वाली जाति के पास काफी खरीददार जाएंगे
और सभी ने इस का मूल्य कंठ अपने-अपने रूप
से किया लेकिन अन्त में सही खरीददार अपने
परिवार के साथ आये और जमीन की सारी
सुविधाओं को देखते हुये इसका उचित मूल्य
सो० १६५००० रु० देना स्वीकार किये तो
लेने वाली जाति ने भी उचित को अति कम समझ

सही लिखा पढ़ी ता० १२.१.०८
श्री दुर्गा प्रसाद निर्मलकर 18.1.08
सही- आधार कुमार मेघवाल - 18.1.08